अग्रवाल महाविद्यालय में 48वीं एथलेटिक मीट के साथ ही मनाई गई महर्शि दयानन्द जयन्ती

(Kiran Kathuria) www.bharatdarshannews.com Friday,01 March , 2019)

Faridabad News,01 March 2019: अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में वेदोध्दारक, विख्यात समाज सुधारक, क्रान्तिकारियों के प्रेरणा स्त्रोत, आर्यसमाज के संस्थापक, महर्शि दयानन्द सरस्वती के 195वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में आर्यसमाज के प्रचारक संगीतज्ञ, कवि, महाषय श्री ईश्वर सिंह उपस्थित थे। उन्होंने वेद वाक्य "षठे षाठयम् समाचरेत" का उद्घोश करते हुए बताया और कहा अन्याय करने वाले से अन्याय सहने वाला ज्यादा दोशी होता है अतः दुश्ट को दुश्टता से समझाना चाहिए साथ ही, विद्यार्थियों को महर्शि दयानन्द सरस्वती के द्वारा बताये गए सिद्धान्तों को विस्तार से बताया कि ईष्वर का साक्षात्कार, स्त्री शिक्षा , कन्या पाठषाला, अछूतोद्धार, धर्म निरपेक्षता, पाखण्ड का विनाष, गौ सेवा इत्यादि विशयों पर भी उन्होंने चर्चा की प् दयानन्द सरस्वती के जीवनवृत पर प्रकाष डालते हुए विद्यार्थियों को संसार में सुख की प्राप्ति के लिए शांति को आधार बताया और कहा शांति त्याग से, त्याग प्यार से, प्यार विष्वास से, विष्वास सच्चाई से और सच्चाई ज्ञान से प्राप्त होती है लेकिन विद्यार्थियों को भौतिक ज्ञान के साथ-साथ आध्यात्मिक और वैदिक ज्ञान को भी समझना चाहिए तभी वे समाज और देश को आगे ले जा सकते हैं। मानव धर्म को सबसे ऊपर मानते हुए उन्होंने गौ सेवा पर भी चर्चा की और बताया कि महर्शि दयानन्द ने सबसे पहली गोशाला रेवाड़ी में खोली प् वर्तमान शिक्षा पद्धति एवं प्राचीन शिक्षा पद्धति पर प्रकाष डालते हुए वैदिक शिक्षा पद्धति को सर्वश्रेश्ठ बताया जो विद्यार्थियों को संस्कारी बनाती है प् विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविश्य हेतु महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृश्णकान्त गुप्ता की सत्प्रेरणा से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया प् प्राचार्य महोदय ने मन, कर्म और वचन में सामन्जस्य स्थापित करने का संदेष देते हुए अतिथि का स्वागत किया प् उन्होंने विद्यार्थियों को महर्शि दयानन्द जैसे महान विभूतियों के जीवन और सिद्धान्तों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया प् यह कार्यक्रम हिन्दी विभागाध्यक्षा किरण आनन्द, डॉ रेणु माहेष्वरी एवं डॉ बाँके बिहारी के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

48वीं दो दिवसीय वार्षिक एथलेटिक मीट के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बल्लबगढ़ विधायक मूलचन्द शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के प्रधान देवेन्द्र गुप्ता जी ने की प् इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कृश्णकान्त गुप्ता, संयोजक डॉ. के.एल. कौशिक एवं वरिश्ठ प्रोफेसरों ने मुख्य अतिथि महोदय ने मुख्य अतिथि और आगन्तुक अतिथियों का पौधे देकर स्वागत किया प् डॉ के.एल. कौषिक ने मुख्य अतिथि के समक्ष विद्यार्थियों द्वारा जिला स्तर से लेकर राश्ट्रीय तथा अन्तर्राश्ट्रीय स्तर तक खेल कूद के क्षेत्र में प्राप्त करने वाली उपलब्धियों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की प् इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कृश्णकान्त गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा खेल व्यक्ति को सिर्फ षारिरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं बनाते बल्कि आध्यात्मिक और भौतिक रूप से भी समृद्ध बनाते हैं प् खेलने वाला व्यक्ति कभी भी रोगी नहीं हो सकता प् खेलने की प्रवृत्ति ज़रूर होनी चाहिए प् विवेकानंद के कथन की पुश्टि करते हुए कहा एक व्यक्ति पूजा पाठ करने की अपेक्षा हॉकी के मैदान में अपना समय व्यतीत करे तो वह ज़्यादा श्रेयस्कर होगा प् इस दो दिवसीय वार्शिक एथलीट मीट में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, गोला फैंक, लम्बी कूद, 1500 मीटर, डिस्कस थ्रो, थ्री लेग दौड़, 3 कि.मी. दौड़, जवेलिन थ्रो आदि समस्त प्रतियोगिताएं श्री नन्द किषोर, डॉ. जगवीर सिंह और प्रवीण कुमार जी के कुषल निर्देषन में सम्पन्न हुई प् इस अवसर पर प्रतियोगिता के अतिरिक्त षिक्षक और गैर-षिक्षक वर्ग के लिए भी प्रतियोगिताएं रखी गयी प् 100 मीटर (पुरूश-स्त्री), म्यूजिकल चेयर आकर्शण के बिन्दु रहे प् महाविद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की झांकी प्रस्तुत कर माहौल को और खुषनुमा बना दिया प् इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा हरियाणवी नृत्य, देष भक्ति गीत, किक बॉक्सिंग और योग का बेहतरीन प्रदर्षन किया गया प् इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सफल आयोजन की बधाई प्रबन्ध समिति, प्राचार्य और प्रोफेसरों को देते हुए कहा कि आज का युवा कल देष का भविश्य है प् जिस देष के युवा संस्कारी सषक्त और समृद्ध होंगे वह देष उतना ही षक्तिषाली होगा प् उन्होंने कहा युवा षक्ति के मामले में भारत का स्वपन पूरा करना है प् अगर एक भारत नेक भारत का स्वप्न पूरा करना है तो युवाओं को नषाखोरी को छोड़कर खेल और योग को दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए प् एक स्वस्थ व्यक्ति ही श्रेश्ठ कार्य करके राश्ट्र को सषक्त और समृद्ध बना पाएगा प् कार्यक्रम अध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी प् उन्होंने कहा जीतना इतना ज़रूरी नहीं, जितना किसी प्रतियोगिता में भाग लेना प् हर व्यक्ति अपने जीवन में अनुभव से आगे बढ़ता है प् जो कुछ करेगा ही नहीं वह आगे नहीं बढ़ पाएगा प् हर सफल व्यक्ति अपने लक्ष्य को पहले ही निष्चित कर जीवन की पाठषाला में उतरता है प् खेल से हम स्वस्थ ही नहीं रहते बल्कि जीवन में नया करने और आगे बढ़ने की भावना पैदा होती है प् इस एथलेटीक मीट में महेन्द्र (बी.ए. प्रथम वर्श) को अग्रवाल महाविद्यालय का सर्वश्रेश्ठ छात्र चैम्पियन घोशित किया गया तथा छात्रा वर्ग में रष्मि (बी.ए. प्रथम वर्श) को सर्वश्रेश्ठ छात्रा चैम्पियन घोशित किया गया प् मुख्य अतिथि द्वारा विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया प् इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के प्रधान देवेन्द्र कुमार गुप्ता, अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के गणमान्य सदस्य एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृश्णकान्त द्वारा महाविद्यालय के सभी षिक्षक व गैर-षिक्षक वर्ग को ट्रैक सूट वितरित किए गए प् प्राचार्य महोदय ने मुख्य अतिथि और कार्यक्रम अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह भेंट कर इस पल को यादगार बनाया प् कार्यक्रम का मंच संचालन किरण आनन्द ने किया और उनका सहयोग डॉ. गीता गुप्ता, डॉ. रेणु माहेष्वरी सुप्रिया ढांड़ा और डॉ. ड़िम्पल ने दिया प् अंत में धन्यवाद ज्ञापन अंग्रेज़ी विभागाध्यक्षा श्रीमती कमल टंडन ने किया प् इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष डॉ. वासुदेव गुप्ता, प्रोफेसर एस.के. चक्रवर्ती, डॉ. ऊशा अग्रवाल, डॉ. पूनम आनन्द, डॉ. सुवेष पाण्डेय एवं अन्य प्रोफेसर गण उपस्थित थे।